राजस्थान में जल जीवन मिशन (जेजेएम) की प्लानिंग और इम्पलीमेंटेशन पर कांफ्रेंस

सभी अभियंता 'पब्लिक यूटिलिटी मैनेजर' के रूप में सक्रियता से दायित्व निभाएं- मिशन निदेशक, एनजेजेएम

जयपुर, 15 जुलाई। "जल जीवन मिशन (जेजेएम) के माध्यम से गांवों में 'हर घर नल कनेक्शन' की मुहिम को साकार करने में अभियंताओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी अभियंता इस भावना से कार्य करे कि 'मैं एक पब्लिक यूटिलिटी मैनेजर हूं और मुझे पूरी शिद्दत से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए चुनौती और जवाबदेही की हर कसौटी पर खरा उतरना है। इंजीनियर्स और विभाग के अन्य अधिकारी इसी भावना से कार्य करते हुए इस मिशन से ग्रामीण जनजीवन में बदलाव के वाहक बन सकते है।"

यह बात भारत सरकार में जल शक्ति मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम) के मिशन निदेशक श्री भरत लाल ने गुरुवार को शासन सचिवालय में 'प्लानिंग एंड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ जल जीवन मिशन इन राजस्थान' पर आयोजित एक दिवसीय कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ अभियंता जितने अच्छे ढंग से अपनी भूमिका को निभाएंगे, जेजेएम का क्रियान्वयन उतना की सफल होगा। इस मिशन की पूर्ण सफलता इस बात पर निर्भर है कि लोगों को 'हर घर नल कनेक्शन' द्वारा लम्बे समय तक निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की सुविधा मिलें।

लोगों की जरूरत के हिसाब से बने स्कीम्स

एनजेजेएम मिशन निदेशक श्री भरत लाल ने कहा कि जल जीवन मिशन बुनियादी तौर पर दृढ़ इच्छा शक्ति और सकारात्मक सोच की थीम पर आधारित योजना है। पब्लिक हैल्थ इंजीनियरिंग विभाग इसे अपनी कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाकर लोगों को 'हर घर नल कनेक्शन' देने की मुहिम को सब डिवीजन, सर्किल, रीजन, जिले और राज्य में कामयाब बनाए। उन्होंने कहा कि सभी इंजीनियर्स यह गांठ बांध ले कि हम गांवों में जिन लोगों के लिए काम कर रहे हैं, उनकी जरूरतों को पूरी तरह जानने और समझने के बाद हमें स्कीम बनानी है, यह हमारा केवल दायित्व ही नहीं, धर्म भी है।

'कम्युनिटी मोबिलाइजेशन' के लिए मिली दाद

श्री भरत लाल ने प्रदेश में जेजेएम की प्रगति की समीक्षा करते हुए इस बात की तारीफ की कि यहां मिशन के तहत 'कम्युनिटी मोबिलाइजेशन' को लेकर सबसे अच्छा कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई प्रदेशों में शुरूआत में 'हर घर नल कनेक्शन' के कार्यों की गति धीमी थी, मगर बाद में रफ्तार पकड़ते हुए वहां ऐतिहासिक कार्य हुआ है। राजस्थान पूरे देश में ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) के गठन (97 प्रतिशत उपलब्धि) के हिसाब से अग्रणी राज्यों में शुमार है। अब जरूरत इस बात की है कि सभी मिलकर स्थाई जल स्रोत विकसित करने, स्रोतों के संवर्द्धन तथा सोर्स को प्रमोट एवं प्रोटेक्ट करने के बारे में गांवों के स्तर पर सामूहिक सोच विकसित करने के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी गांवों में 5 साल की अवधि के लिए बनने वाले 'विलेज एक्शन प्लान' जेजेएम की महत्वपूर्ण कड़ी है, हर गांव में सक्रियता से कार्य करने वाले 20-25 लोगों की टीम तैयार कर कार्यो को आगे बढ़ाया जाए।

जल स्रोतों के रिचार्ज पर भी फोकस

जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) श्री सुधांश पंत ने कहा कि प्रदेश में जेजेएम के कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ जल स्रोतों के रिचार्ज पर भी पूरा ध्यान देने की जरूरत है। इसके लिए जिला जल एवं स्वच्छता समितियों के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा और वित्त आयोग के तहत उपलब्ध राशि का भी जेजेएम के फंड के साथ कंवर्जेंस करते हुए उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में जेजेएम के तहत करीब 80 प्रतिशत स्वीकृतियां जारी कर दी गई है। अगले स्तर पर तकनीकी स्वीकृतियां और निविदाएं जारी करने का काम अंतिम दौर में है। अब वार्षिक लक्ष्य के अनुसार 'हर घर नल कनेक्शन' के कामों को गति देने पर फोकस किया जा रहा है।

चुनौती को अवसर में बदले

एसीएस ने कहा कि विभागीय अभियंताओं के कॅरिअर में जेजेएम, लोगों की अपेक्षाओं

को पूरा करने के लिए पूरी क्षमता और कार्यकुशलता के साथ योगदान देने की बड़ी प्रोफेशनल चुनौती है। इसे अवसर में बदलकर आने वाले दिनों में और बेहतर नतीजे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और समन्वय के साथ कार्य करे। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों पहले 'हर घर नल कनेक्शन' जैसी योजना की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, आज यह यथार्थ में बदल रहा है। राजस्थान की टीम के लिए आज एक ऐतिहासिक दिन है कि देश में जल जीवन मिशन की परिकल्पना और रूपरेखा तैयार करने से लेकर सभी राज्यों में अब इसके क्रियान्वयन का दायित्व सम्भाल रहे मिशन निदेशक श्री भरतलाल से इस कांफ्रेंस के माध्यम से सभी अधिकारियों को मार्गदर्शन मिला है।

<u>क्रियान्वयन में 'सैचुरेशन स्ट्रेटेजी' महत्वपूर्ण</u>

एनजेजेएम की निदेशक रूपा मिश्रा ने कहा कि जेजेएम के क्रियान्वयन में 'सैचुरेशन स्ट्रेटेजी' (किस प्रकार गांव एवं पंचायतों के सभी परिवारों को 'हर घर नल कनेक्शन' से जोड़ा जाए) बहुत महत्वपूर्ण है। राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति की बैठक में जो योजनाएं मंजूर हो गई है, उनका सैचूरेशन प्लान बनाया जाए। विशेष श्रेणी वाले जिलों (एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स) को प्राथमिकता से कवर करने के लिए विशेष प्रयास किए जाए। उन्होंने कहा वीडब्ल्यूएससी के गठन के बाद सभी गतिविधियों में इसके सदस्यों की सक्रिय भागीदारी पर फोकस करना जरूरी है। वीडब्ल्यूएससी सदस्यों की देखरेख में मौके पर ज्यादा से ज्यादा कार्य आरम्भ हो तथा डीपीआर एवं टेंडरिंग से सम्बंधित शेष कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने आईएमआईएस पर जेजेएम की समस्त गतिविधियों की ताजा जानकारी को रोजाना अपडेट करने के बारे में भी निर्देश दिए।

कांफ्रेंस में प्रदेश में जल जीवन मिशन की प्रगति के बारे में राज्य के मिशन निदेशक और मुख्य अभियंता (ग्रामीण) श्री आरके मीना ने प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यवाही का संचालन अधीक्षण अभियंता (विशेष प्रोजेक्ट्स) श्री सतीश जैन ने किया। इस अवसर पर जलदाय विभाग की विशिष्ट शासन सचिव श्रीमती उर्मिला राजोरिया, मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) श्री सीएम चौहान, मुख्य अभियंता (प्रशासन) श्री राकेश लुहाड़िया मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) श्री आरसी मिश्रा मुख्य अभियंता (विशेष प्रोजेक्ट्स) श्री दलीप कुमार गौड़, मुख्य अभियंता (तकनीकी) श्री संदीप शर्मा,

मुख्य अभियंता (नागौर) श्री दिनेश गोयल, मुख्य अभियंता (जोधपुर) श्री नीरज माथुर, प्रमुख लेखाधिकारी श्री ललित वर्मा, वित्तीय सलाहकार सुश्री कोमल आगरी, डब्ल्यूएसएसओ के निदेशक श्री मनीष बेनीवाल और चीफ कैमिस्ट श्री राकेश माथुर सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे। सभी जिला मुख्यालयों से अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशाषी अभियंता और सहायक अभियंता स्तर के अधिकारियों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भागीदारी की।

PJ

Har Ghar Jal
Public Health Engineering Department (PHED)
CONFERENCE ON
PLANNING & IMPLEMENTATION OF JAL JEEVAN MISSION (Har Ghar Jal)
IN RAJASTHAN
15th July, 2021
Conference Hall, Secretariat
Jaipur
Jal Jeevan Mission

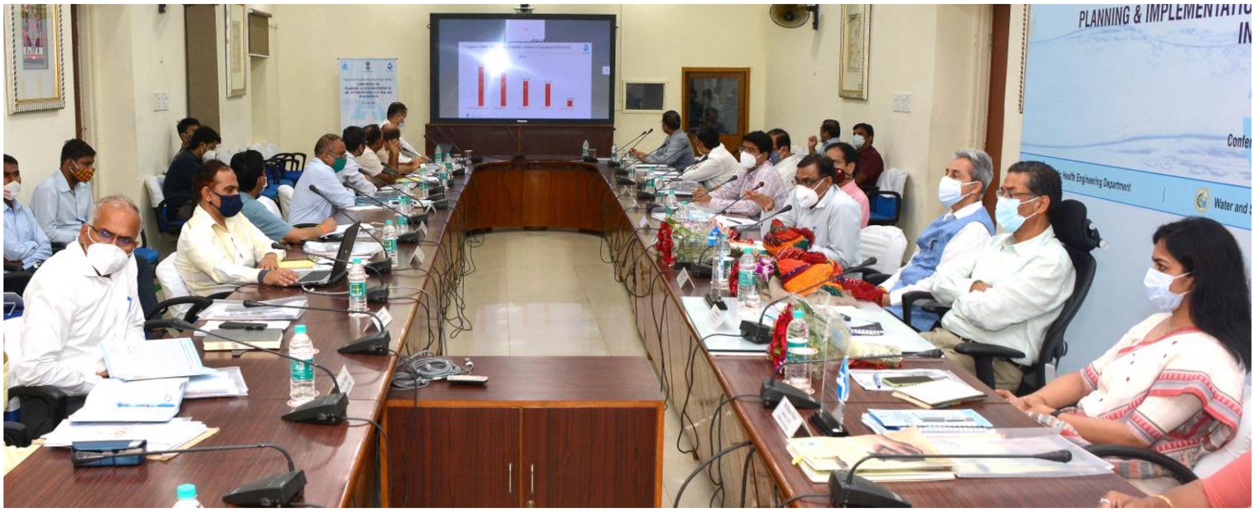

राजस्थान सरकार
Har Ghar Jal
Public Health Engineering Department (PHED)
CONFERENCE ON
PLANNING & IMPLEMENTATION OF JAL JEEVAN MISSION (Har Ghar Jal)
IN RAJASTHAN
15th July, 2021
Conference Hall, Secretariat
Sh. Bharat Lal